भोले नाथ से निराला, गौरीनाथ से निराला, कोई और नहीं ऐसा बिगड़ी बनाने वाला, कोई और नहीं

भोले नाथ से निराला, गौरीनाथ से निराला, कोई और नहीं
ऐसा बिगड़ी बनाने वाला, कोई और नहीं

उन का डमरू डम डम बोले, अगम निगम के भेद खोले
ऐसा भक्तो का रखवाला कोई और नहीं

काया जब जब करवट बदले, पाप चमकते अगले पिछले
ऐसा जोत जगाने वाला कोई और नहीं

तुमने जग का कष्ट मिटाया, मुझ को स्वामी क्यों बिसराया

Source: https://www.bharattemples.com/bhole-naath-se-niraala-koi-aur-nahi/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw